पाठ => 6

उषा (शमशेर बहादुर सिं

जीवन परिचय : ~~जीवन परिचय~~

नई कविता के समर्थकों में शमशेर बहादुर सिंह की एक अलग छवि है। इनका जन्म 13 जनवरी 1911 को देहरादून में ही हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा देहरादून में ही हुई। उन्होंने उच्च शिक्षा इलाहबाद विश्व विद्यालय से प्राप्त की। इन्होंने सुमित्रानंदन पंत के पत्र रूपाभ में कार्य किया। काव्य संग्रह पर इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाज़ा गया। कबीर सम्मान सहित अनेक पुरस्कार भी मिले। 1993 में अहमदाबाद में इनकी मृत्यु हो गयी।

प्रमुख रचनाएँ :

कुछ और कविताएँ, चुका भी हूँ नहीं मैं, इतने पास अपने, बात बोलेगी आदि।

साहित्यिक विशेषताएँ :

शमशेर बहादुर सिंह मार्क्सवादी कवि है परंतु उनका कवि हृदय सौंदर्य-वादी है। उनकी प्रेरणा की प्रकृति अधिक है, उनकी कविता में सूक्ष्म और संश्लिष्ट अनुभवों की अभिव्यक्ति अधिक हुई है।

भाषा शैली :

शमशेर बहादुर सिंह ने साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग किया है, कथ्य और शिल्प दोनों ही स्तरों पर इनकी कविता का मिजाज़ अलग है। उर्दू शायरी के प्रभाव से संज्ञा और विशेषण से अधिक बल सर्वनामों, क्रियाओं अव्ययों और मुहावरों को दिया गया है।

साहित्य में स्थान :

हिंदी साहित्य की नई कविता (दूसरा तार सप्तक) के कवियों में आपका नाम युगों - युगों तक स्मरणीय रहेगा।

प्रश्न : कविता के किन उपनामों को देखकर यह कहा जा सकता है, कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है ?

उत्तर : निम्नलिखित उपनामों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है -

(i) राख से लीपा हुआ चौका।

(ii) काली सिल लाल केसर से जैसे धुल गई हो।

(iii) किसी ने सिलेट पर लाल खड़िया चौक मल दी हो।

theboardstudy.com